क्या तू इसे विश्वास करता है?

और इससे पहले हम प्रार्थना करें, मैं यह कहना चाहूंगा कि पिछले संध्या को मैं ऐसा सोचता था, मैंने एक महिला से कहा, "यदि तुम केवल वही करो, जैसा हम आपको करने का निर्देश देते हैं कि ऐसा होगा... इस बालक का सर बहुत जो बड़ा था, यह सिकुड़ जायेगा।" और पिछली रात को बालक का सर सिकुड़ गया था, सूत की नाप से डेढ इंच छोटा। तो उस महिला ने उसे अब यहां पर लाया है।

2 अब, यह मेरे पास इसे करने कारण था, बहन, यह एक उद्देश्य के लिए है, देखा? यदि आप कुछ तो भौतिक होता हुआ देखते हैं, जिससे आपका विश्वास बढ़ता जाता है, ताकि आप इस पर विश्वास करते रहे। कभी–कभी मैं केवल ऐसे ही करता हूँ, हो सकता है व्यक्ति से कहता हूं कि खड़े हो जाए, एक और दो कदम आगे चले, अपने हाथो को हिलाए, अपनी उंगली को हिलाए, बस कुछ तो जो वो अलग ही कर सकते हैं, केवल उन्हें दिखाने के लिए कि यह बिल्कुल ठीक हो गया है। वे बस थोड़ा सा घबरा जाते हैं, और सोचते हैं ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन ये हर समय ऐसा ही होता है। समझे? इसे होना है।

3 कितने लोग अब प्रार्थनाओं में याद करवाना चाहते हैं? क्या आप केवल अपने हाथों को उठाकर और कहेंगे, प्रभु इसे प्रदान करें? आइए अपने सिरों को झुकाये।

4 प्रभु, जब हम इस महान कलीसिया के संगीत को सुनते हैं, जिसे मेरे बहुमूल्य मित्र पॉल रेडर के द्वारा लिखा गया है, "केवल विश्वास करो," हम अब उस लड़के के लिए सोच रहे हैं, जिसे उस पिता के द्वारा उन चेलों के पास लाया गया था, दस दिन से ज्यादा नहीं हुए थे, जब यीशु ने उन्हें शैतानों को निकालने के लिए और बीमारों को चंगा करने के लिए सामर्थ दी थी और यहां पर वे पूरी तरह से एक मिर्गी से रोगी से हार गए थे। और उन्होंने हमारे प्रभु को आते हुए देखा। और पिता दौड़कर आता और कहता है, "प्रभु हम पर दया कर। मेरा पुत्र एक विभिन्न तरह से एक शैतान से परेशान है। मैंने उसे तेरे चेलों के पास लाया और वे उसे ठीक नहीं कर सके।"

5 यीशु ने कहा, "मैं कर सकता हूं, यदि तू केवल विश्वास करे।" ओ, परमेश्वर आप तब से थोड़ा भी नहीं बदले है; आप बिल्कुल वैसे ही प्रेम करने वाले परमेश्वर हैं, मधुर और करुणा करने वाले परमेश्वर हैं। जैसे आप तब थे, वैसे ही आप आज भी हैं। और प्रभु, उस पिता की नाई हम सब आपको पुकारते हैं, "प्रभु, हमारे अविश्वास के लिए सहायता करे।" यह बहुत ही साधारण है; हम तो बस इसके लिए रूकावट हैं, पिता।

6 हम आपको धन्यवाद और स्तुति देना चाहते हैं, क्योंकि आपने पिछली रात को उस बालक को छू लिया, उसका सर सुजा हुआ था, वो, वो हड्डी बहार निकल आयी थी, पिछली रात को वो एक आधा इंच अन्दर चली गयी। हम इसके लिए आपके आभारी हैं, पिता। जब हम जानते हैं कि हमारे डॉक्टरो के पास इसका शोध करने के लिए कुछ भी नहीं हैं, उनके पास इसे करने के लिए कुछ भी नहीं हो सकता है; लेकिन आप अब भी वही परमेश्वर हैं, उन सारी परिस्थितियों के गुरु हैं। हम आपका धन्यवाद देते हैं, पिता। हम इस मां की वफ़ादारी और मधुरता और आज्ञाकारी होने के लिए धन्यवाद आपका देते हैं, यहां उस डोरी को लाने के लिए और पन्ने पर चिपकाने के लिए, जिससे वो परमेश्वर की महिमा के लिए लोगों को दिखाये। होने पाए बहन का छोटा बालक जीये और एक सामान्य बालक बन जाये, आपकी महिमा के लिए।

7 उन सब ऊपर उठे हुए हाथों को देखे, पिता। हर एक जन के पास एक आवश्यकता है, मेरे भी हाथ ऊपर उठे हैं, पिता, मुझे आवश्यकता है। और यहां पर बहुत से है जिन्होंने लिखित रूप में या इस बक्से में डाला है, जो जरूरतमंद हैं, वे लोग सचमुच जरूरतमंद है। यह पूरा हो जाए, प्रभु, कि हर एक इस रात्रि को अपनी विनतीयों को ग्रहण करें। होने पाये, वे इस मां की गवाही को ले और एक उदाहरण की नाई ताकि दिखाएं कि आप जो कुछ भी कहते हैं यह समाप्त हो जाता है। यह... आप... हम सबको जो करना है, वो है कि इसे ग्रहण करें और इस पर हम कुछ करे। यह एक समाप्त हुआ कार्य है।

8 प्रदान करे, प्रभु, कि हर एक जन ने लिख के दिया है और ये रुमाल और लोग जिस पर इसे रखेंगे, होने पाए वे चंगे हो जाए। हर एक जिन्होंने अपने हाथों को उठाया है, पिता, वह अपने हृदय की इच्छाओं को ग्रहण करें... हम इसे यीशु के नाम से मांगते है। आमीन। आप लोग बैठ सकते हैं।

9 मैं केवल आपको यहां यह तार को दिखाना चाहता था जो उस महिला ने... आप वहां है। हूं–हूंह। उस छोटे बालक का सिर छोटा हो गया, जैसे पिछली रात्रि प्रभु ने हमसे पवित्र आत्मा के जरिए से प्रतिज्ञा की थी। क्या वो अद्भुत नही है? इसलिए यह हमें बहुत ही ज्यादा हिम्मत देता है ताकि हमारे पास भरोसा और विश्वास हो।

10 अब, जब यीशु ने मरकुस 11:23 में उस पेड़ से कहा, "आज के बाद से कोई भी मनुष्य तुझसे खाने ना पाएगा," उसने शायद चिल्ला कर नही बोला होगा, जैसे की साफ़–साफ़, वह इसके बारे में बहुत ही हल्के से बोला था, इतना तक की उसके चेले... मैं सोचता हूं उनमें से एक ने ही सुना। और यह... जब वह मिर्गी का बालक, जब इसे प्रभु यीशु के सामने लाया गया था, उस लड़के को अब तक का सबसे ज्यादा मिर्गी का दौरा पड़ा था; शायद, वो लड़का जमीन पर गिर पड़ा था जैसे वो मरा हुआ हो, लेकिन उसने जान लिया कि वह किसी से तो मिला है जिसके पास विश्वास था, उन चेलो के ऊपर।

11 अब, मैं चाहता हूं कि कोई तो जिसे दिव्य चंगाई में विश्वास ना हो, वो इसे देखें। यीशु ने उन्हें आत्मा को निकालने की सामर्थ दी थी, वे चुक गए थे। ऐसा नहीं कि सामर्थ चुक गई थी, लेकिन वे चूक गए थे। यीशु ने उन्हें बताया था:

"हम उसमें से दुष्ट आत्मा को क्यों नही निकाल सके।"

उसने कहा, "तुम्हारे अविश्वास के कारण।"

12 कलीसिया के पास अब भी एक सामर्थ है। परमेश्वर ने अपनी सामर्थ को कभी भी वापस नहीं लिया है, लेकिन कलीसिया के पास उस पर कार्य करने के लिए इतना विश्वास नहीं है। ऐसा ही है। यह बहुत ही साधारण है। हम इसे कभी–कभी बहुत ही पेचीदा बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन जितना आप सुसमाचार को साधारण बनाते है, उतनी अधिक आपके पास सच्चाई होगी, जब आप वास्तव में इसे साधारण से लेते है; परमेश्वर ने ऐसा कहा; यह समाप्त हो जाता है; बस इतना ही है। और केवल इसे विश्वास करें, और आगे बढ़ें।

13 जब यीशु ने कहा, "कोई भी मनुष्य तुझसे नहीं खाने पाए," क्यों, वे पत्तियां उतनी ही सुंदर सी और चमकदार थी जैसे हमेशा से रही थी। वह

छाल वैसे ही दिखाई दी, लेकिन बहुत ही नीचे जड़ों के अंदर वो जीवन सुखना आरंभ हो गया था।

14 वैसे ही यह कैंसर के लिए है, कोई भी तरह की बीमारी के लिए, जिस—जिस पर आप सोच सकते है। जब आप परमेश्वर के वचन को स्वीकार कर सकते हैं, वहां अंदर जड़ों की गहराई में, हो सकता है वहां पर कैंसर हो; आपके हाथ हो सकता है, बिल्कुल वैसे ही कड़क हो। इसका दिव्य चंगाई के साथ कुछ लेना–देना नहीं है। "यदि तुम विश्वास कर सकते हो।" देखा? वहां अन्दर कही तो यह पहले से ही कार्य हो गया है।

15 यीशु ने कहा, "यदि तुम इस पहाड़ से कहो, हट जा और अपने हृदय में संदेह न करो, लेकिन विश्वास करो, जो तुमने कहा है वह हो जाएगा, तुम्हारे पास वह होगा जो तुमने कहा है।" क्या यह सुन्दर नही है? यह कहां से आया है? परमेश्वर का पुत्र, जिसके वचन... धरती और आकाश टल जाएंगे, लेकिन अब—लेकिन उसका वचन नहीं टलता है।

16 अब केवल एक ही जरिया है, आप इसे कर सकते हैं, आपके पास करने के लिए सही उद्देश्य और सही इरादा होना है। अब यदि, मैं यहां बाहर जाकर और कहता हूं, "मैं तुम्हें दिखाऊंगा, मैं इस पहाड़ को हटा सकता हूं, 'पहाड़ तू हट जा।'" यह कभी भी नही हटेगा। निश्चय ही नही। कोई फर्क नहीं पड़ता मेरे पास क्या था। इसे होना होगा... पहले आप को परमेश्वर की इच्छा को जानना होगा।

17 यही वो कारण है, अक्सर प्रार्थना की पंक्ति में, मुझे बहुत ही मुश्किल होती है, क्योंकि कुछ तो है जो उस पंक्ति में से होकर जाता है और इत्यादि, और यही है जहां आप के लिए यह वापस आ जाता है। लेकिन देखना, यदि आपके पास कुछ भी अस्वीकार किया हुआ पाप है... क्या आपने कभी इस बात पर कभी ध्यान दिया है, इससे पहले मैं दुष्ट आत्मा से निकलने के लिए कहूं? मैंने देखा है इस मामले में, निश्चय होना है, वहां पर उस जीवन में कुछ भी नहीं है जो कोई भी रुकावट को लेकर आए, देखो, क्योंकि याद रखना, इस वरदानो पर आप उससे गड़बड़ी में आ सकते हैं।

18 परमेश्वर ने, क्या आपको एक बार याद है, उसने मनुष्य में से एक नबी को दिया, जो मुसा था, और उसे बताया कि वहां नीचे जाकर चट्टान से बोलो। और वह नबी पूरी तरह से उत्तेजित था, और उसने जाकर, चट्टान को मारा, मसीह की निर्बलता पर बोलते हुए, कि उसे दूसरी बार मरना

है, या दूसरी बार उस पर प्रहार किया जाना है। उसके पास इसे लाने की सामर्थ थी, लेकिन यह परमेश्वर की इच्छा नहीं थी।

19 मैं कभी भी विश्वास नहीं कर सकता हूं कि यह परमेश्वर की इच्छा थी कि एल्लिया उस हद तक जाये, क्योंकि उन बच्चों ने उसे गंजा होने के लिए चिढाया था। मैं नहीं सोच सकता हूं कि उसे ऐसा करना चाहिए था। लेकिन वो एक नबी था और वह गुस्से में था, और उसने उन बच्चों के ऊपर श्राप को दिया और उस स्त्री भालू ने उन बयालीस छोटे मासूम बच्चों को मार डाला। देखा? लेकिन मैं नहीं सोचता, उसने इसे किया है। और यह तो केवल—केवल... हम...

20 परमेश्वर, मैं आज विश्वास करता हूं, इससे पहले वह अपनी कलीसिया को सामर्थ में रखे, वह प्रयास करता है उसकी कलीसिया देखें कि वो क्या करेगा।

21 हम... अगली बार हो सकता है, यदि प्रभु की इच्छा है तो जब मैं वापस आऊंगा, हमारे पास समय होगा ताकि हम इस पर कुछ समय तक बने रहे, किसी बात पर जो घटित होने जा रहा हैं और फिर उसके बाद हम उसके बारे में और अधिक जानेंगे।

22 लेकिन यदि आप केवल शब्द को बोले, कहे, "प्रभु, मैं इसे विश्वास करता हूं," संदेह ना करें, अपने हृदय में इरादे को रखे...

23 अब मैं एक उदारहण के लिए कहता हूँ, मैं एक घाटी में था, और मैं नही... मैं हजारो लोगो को प्रचार कर रहा था, लेकिन ठीक वहां पहाड़ के उस पार, वहां एक सौ लोगों का झुंड है, और वे मसीह को बिना जाने मर रहे थे। तो, यहां पर मेरे पास प्रचार करने के लिए लाखो लोग हैं, लेकिन फिर भी कुछ तो मेरे हृदय में मुझसे कह रहा था, "उस ओर उन लोगों के पास जाओ, उनके लिए जाओ, वे नाश हो रहे हैं।" मैं अपने आप से नहीं जाना चाहता हूं, लेकिन फिर भी वहां पर कुछ तो मेरे अंदर था। देखो, यही फिर परमेश्वर है, आगे बढ़ते हुए। देखो, उद्देश्य क्या है, देखो, वहां जाने का इरादा क्या है, अपने लिए नही... अब यदि मैं कहता हूं, "तो ठीक है... " यदि वहां पर मेरे जाने का सही उदेश्य है, लेकिन फिर मैं यहां पर आता हूं और यहां पर एक बड़ा पहाड़ है, मैं कहता हूं, "आप जानते हो, यदि मैं उस पहाड़ ऊपर जाकर और उन सौ लोगों को बचाता हूं, किसी दिन वहां

उनके पास; भाई ब्रन्हम की मूर्ति होगी, वह महान मिशिनरी।" अब मेरा इरादा ठीक नहीं है, वह पर्वत नहीं हटेगा। नही श्रीमान।

24 लेकिन जब मेरा इरादा और उद्देश्य सही है तो, और परमेश्वर मेरे हृदय में मेरी अगुवाई कर रहा है, और मैं उस पहाड़ पर नही जाऊँगा, पहाड़ के आसपास, पहाड़ के अंदर, मैं कहूँगा, "पहाड़ तू हट जा।" हो सकता है ये... जब मैं यह कहता हूं और तब ये मैं नहीं होता हूं, जो मैं कह रहा होता हूं यह तो एक सही प्रकार की आत्मा से होता है, जो पवित्र आत्मा की अगुवाई से, परमेश्वर की इच्छा से है। वहां शायद थोड़ा चम्मच भर पहाड़ भी नहीं हटेगा, लेकिन यह अपने मार्ग पर होगा। अगले दिन हो सकता है, यह दो पौंड आगे बढे। अगले दिन एक चौथाई टन। और हो सकता है, एक महीने में पांच टन आगे बढे। यह क्या है? हो सकता है, हम इसे अब तक नही देख सकते हो, लेकिन वो आगे बढ़ रहा है, उसके मार्ग पर है। मैं ठीक वहां पर बना रहता हूं, और उस चीज को होते हुए देखता हूं, क्योंकि परमेश्वर ऐसा कहता है, और वो इसे पूरा करता ही है।

25 क्या आप वहां आज रात अपनी माता के बारे में सोच सकते हैं? तो ठीक है, यदि आप उसे सोचेंगे वह चंगी हो जाएगी। तो ठीक है। ऐसे ही है, यदि आप केवल इसे विश्वास करे तो: केवल वचन को बोलो और इसके साथ बने रहो। समझे? केवल इसे विश्वास करो; उसे थामे रहो। यही अनंत जीवन है।

26 अब कल दोपहर के लिए... मैंने बिली को बताया, आज रात प्रार्थना के कार्ड को मत बांटना और मैं कुछ बोलना चाहता था। मैं सचाई में अंगीकार करता हूं, मैं जनवरी से लेकर विदेशो में यहां–वहां जा रहा हूं, और फोनिक्स में, सीधे घर को, और वापस; और पूरी तरह से... परीक्षायें... यहां तक मैं बहुत ही कमजोर हो जाता हूं। मैं मुश्किल से जान पाता हूं कि मैं इस समय कहाँ पर खड़ा हूं। ये लगभग मुझे बस बुरी तरह से पछाड़ देता है।

27 और फिर मुझे जाना है और अब आप—आप भाई लोगों ने मुझे वहां कुछ दिन और रहने के लिए निमंत्रण दिया। मैं इसके लिए किस तरह से आपकी सराहना करूं। मैं निश्चित रूप से सोचता हूं कि ये यहां पर एक बहुत अच्छे सेवकों का झुंड है। अच्छा होता, हमारे पास संगती करने के लिए कुछ और समय होता था। यदि प्रभु की इच्छा हुई तो मैं किसी समय वापस आऊंगा। कुछ और नहीं, बस एक कलीसिया से दूसरी कलीसिया

और यहां–वहां घूमकर सबसे मुलाकात करूँगा। मुझे ऐसा करने से बहुत ही खुशी होती है; जो कुछ भी मैं परमेश्वर के लिए राज्य के लिए कर सकता हूं, यही है, यदि आप मुझे इसे करने देना चाहते हैं तो। और किसी दिन वापस आकर हमारे साथ जुड़ना और एक अच्छी, सुंदर, कही तो सभा का होना।

28 और याद रखना भाईयो, मैं आपके लिए प्रार्थना में रहूँगा। वहां एक बात तो निश्चय है। और मैं चाहता हूं, आप सब मेरे लिए प्रार्थना करें, आप सब के सब।

29 और अब मैं—मैं... कल सुबह कलीसिया की सभा होगी, इस शहर की सारी विभिन्न अच्छी के कलीसियाओ के साथ होगी।

30 अब, जेफ़रसनविले से कुछ झुंड यहाँ पर हैं, कुछ मेरे मित्र हैं, कुछ एक कलीसिया के ट्रस्टी हैं, जो यहाँ पर है, भाई फ्रेड साउथमेन है। मैं उन्हें इस सभा में कभी देख नही पाया। और भाई... और भी मेरे मित्र वहां ऊपर जेफ़रसनविले से है, मेरे... मेरे वहां सचिव हैं और—और सब यहां पर है, कही तो सभा में हैं। मैं उन्हें अब तक नही देखा है।

31 और कुछ भाई, यहाँ इस शहर की कुछ अच्छी कलीसिया भी हैं। और बाकी के जो आप मेहमान लोग हैं, उनमें से एक कलीसिया देखकर, कल आप इन कलीसिया में से संगती चले जाये। वह आपसे अच्छा व्यवहार करेंगे, इतना तो मैं निश्चित हूं। वे भाई लोग जो इसी तरह की एक सेवकाई पर विश्वास करते है। यही वो कारण है, वे यहां इस मंच पर बैठे हुए हैं, और यहां इस स्थान पर बैठे हुए हैं, क्योंकि वे इस में विश्वास करते हैं। और मैं उन मनुष्यों की सराहना करता हूं।

32 प्रभु, इन फुल गोसफल बिजनेसमेन की सभा के झुण्ड को यहाँ आशीष देना, जिन्होंने इस सभा का आयोजन किया है। वहां... मैं विश्वास करता हूं यह सही था, जो सभा का आयोजन किया गया था। मैं—मैं वहां उनके बहुत से आयोजकों के पास जाता हूं, क्योंकि वहां पर... हमें इस तरह से नहीं होना चाहिए, लेकिन बहुत सी बार, भाई लोगो की कुछ विभिन्नता होती हैं, जैसे एक मनुष्य कुछ तो थोड़ा अलग विश्वास करता है, कोई और थोड़ा सा अलग... यह एक तरह से थोडा टकराव लाता है और बहुत पुरानी तकलीफ है। इसे इस समय पर चंगा हो जाना चाहिए, लेकिन ये—ये... और यदि आप—यदि मैं फुल गोस्पेल बिजनेसमैन पर जाता हूं, फिर

इसे जोड़ने के लिए एक प्रकार की मदद हो जाएगी और हम एक साथ हो जाते हैं और हमारे पास एक साथ वास्तविक संगती होगी, और वास्तविक अच्छा समय होगा। और हम इसकी सराहना करते है। परमेश्वर उस सभा की झुण्ड को आशीष दे। मैं विश्वास करता हूं परमेश्वर ने इसे एक उद्देश्य के लिए ऊपर उठाया है।

33 अब... और फिर मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य था, उस दिन भाई ओरल राबर्टस के स्थान को देखना। ओह, प्रभु, क्या ही विशाल स्थान था, एक बहुत ही सुंदर चीज। यह—यह एक पेंटीकोस्ट के लिए यादगार है।

34 फिर मैं भाई टॉमी ओस्बोर्न के यहाँ, एक और अद्भुत स्थान पर गया, परमेश्वर का अद्भुत व्यक्ति, जो... भाई टोमी और मैं, बहुत ही नजदीकी भाई है, और भाई ओरल भी, बस बहुत ही नजदीकी भाई है और हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं, और हमारी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो कुछ काम हम परमेश्वर के राज्य मेंलोगों के भले के लिए कर सकते है, करेंगे।

35 इसलिए, मैं निश्चित रूप से मनुष्यो की यहाँ इस शहर में होने की सराहना करता हूं, इन भले लोगो के बीच, जो आप लोगो के पास है। आप भेड़ों के पास बहुत बढ़िया चरवाहे है। मैं बस, मैं इसे इस तरह से कहूंगा। होने पाए प्रभु आपके साथ निरंतर रहे यही सब मेरी प्रार्थना है। और अब, कल दोपहर को, मैं... कौन से समय पर सभा आरंभ होगी भाईयो? दो बजकर तीस मिनट। हम यहां पर एक या एक बजकर तीस मिनट पर होना चाहिए जिससे की उन्हें बाकी की सभाओं के लिए कोई रुकावट न हो।

36 अब यदि लड़कों ने पहले से ही आपको नहीं बताया है, आज रात उनके पास कुछ किताबें तस्वीरें और इत्यादि है, और सभाओ के टेप्स, रिकॉर्ड है और वे उन्हें बेचेंगे। लेकिन हम उन्हें कल सब्त के दिन नही बेचने देंगे। कोई भी किताब और चींजे कल नहीं बेची जायेंगी। इसलिए हम नहीं—हम इसकी कभी भी अनुमति नही देंगे। हालाँकि बहुतो ने कहा, "तुम बहुत ही गलत... "

37 और बूढ़े डैडी बोसवर्थ हमेशा मुझसे कहते थे, "ओह, भाई ब्रन्हम आप वहां पर गलत है, " लेकिन इस तरह से मैं महसूस करता हूं (देखा?) और मैं—मैं महसूस करता हूं। यदि आप एक मांगेंगे, वे आपको एक देंगे, लेकिन यदि आप... लेकिन हम सब्त के दिन पर—पर नही बेच सकते हैं। नही,

ऐसा ही है। यदि मैं यह विश्वास करता हूं, मुझे ऐसे ही रहना है, बस... मुझे अपने आप से इसके साथ रहना है। आपने देखा? और मुझे—मुझे मेरी धारनाओ के साथ रहना है और इसलिए... या आप घर में भेज सकते हैं, और घर में मंगवा सकते है, अपने स्थान पर और इसे ले सकते हैं।

38 अब आज रात को, ओह, बस हम सब ये भूल जाये, ओह, कि मुझे वहां पर किसी काम को करना है या कुछ भी यह है, या उस दिन का काम करना है। आइए, बस हर एक चीज को एक तरफ करे, और कुछ मिनटों के लिए वचन के अंदर देखेंगे और देखेंगे परमेश्वर उसके वचन में से होकर हमसे क्या बात करता है। और होने पाए, मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आज रात बहुतायत महान आशीष को देगा।

39 जीन, क्या तुम मेरे लिए बच्ची को ला सकती हो? क्या तुम उस छोटी लड़की को मेरे लिए ला सकती हो? क्या यह छोटी आकर्षित चीज नही है? क्या तुम मेरे साथ घर चाहोगी और मेरी छोटी सारा के साथ खेलोगी और लगभग इतनी ऊँची है? ओह, क्या तुम चलोगी? मैं—मैं तुम्हारे लिए चाहता हूं। वो लगभग तुम्हारे ही कद की है, और वह डैडी की छोटी लड़की है। हूँ–हूँ। हां। और मैं दावे के साथ कहता हूँ, तुम—तुम भी अपने डैडी से प्रेम करती हो, क्या नही करती हो? मम्मी से करती हो? ओह, निश्चय ही तुम करती हो। वह सबसे प्यारी छोटी लड़की है, मैं यहां पर बैठा हुआ हूं, उसकी ओर देख रहा हूं। छोटी आंखे ऐसा दिखता है, जैसे वो चादर में प्रज़लित दो छेद है और उसके छोटे भूरे बाल हैं।

40 मैं बस छोटे बच्चों से प्रेम करता हूं। मेरे पास घर पर दो छोटी लड़कियां हैं। उनमें से एक रेबिका है और दूसरी एक सारा है।

41 यहां कुछ समय पहले, मैं दूर गया था। वे दोनों डैडी की छोटी लड़कियां हैं, आप जानते हैं और मैं उनसे प्रेम करता हूं। और जैसे ही वो आती है, मैं उन्हें पीठ की सवारी देता हूं और... केवल बैकी उस बात के लिए बहुत ही बड़ी है; वो लम्बी है, जैसा की मैं हूं। वह अब मेरी पीठ को तोड़ देती है; लेकिन कुछ भी हो वो अब भी डैडी की छोटी लड़की है। और अब लगभग एक वर्ष में, हम उसे कहीं तो बाइबल स्कूल में भेजना चाहते हैं, और सामान्य स्कूल से दूर।

42 और फिर—वे वहां डैडी के घर आने के लिए इंतजार कर रहे थे, आप जानते हैं। मैं सभा में बाहर रहा हूं। और कल रात वे इंतजार करेंगे, जब

तक मध्य रात्रि को नहीं आता वे मेरे अंदर आने के लिए देखते रहेंगे। और इसलिए, मैं सुबह को जल्दी उठ जाता हूं, तीन या चार बजे के आसपास। और मां दरवाजे पर आकर और मुझे अंदर लेती है, मैं बहुत ही थका और शिथिल रहता हूं, मैं... यहाँ मंच पर, मैं... जब... अभिषेक ये बहुत अधिक महसूस होता है, लेकिन जब एक बार वो आप को छोड़ देता है, यहीं है जहां आप परेशानी में आ जाते हैं। कितने लोग ने इस बात को कभी समझा हैं? क्यों, निश्चय ही ये ऐसा है।

43 देखो, एलिय्याह उस पहाड़ पर गया और आकाश से आग को बुलाया, आकाश से बारिश को बुलाया, और फिर जब आत्मा उसे छोड़ दिया, वह जंगल में चालीस दिनों तक घुमता रहा और परमेश्वर उसे लिया और वापस कहीं तो एक गुफा के अंदर खींच लिया।

44 योना, वह नीचे चला गया और मछली के पेट में तीन दिन और रात रहा, उसे उस टीले पर उगल दिया और यहाँ–वहां जाकर प्रचार कर रहा था। वो सारा शहर पश्चाताप करने लगा और परमेश्वर के पास आ गया। और जब अभिषेक ने उसे छोड़ दिया, वह पहाड़ी के सबसे ऊपर चला गया और परमेश्वर से कहने लगा कि उसके जीवन को ले ले। देखा?

45 मैं विलियम कॉपर की कब्र के पास खड़ा था, ज्यादा समय नहीं हुआ, जिसने वह प्रसिद्ध गीत को लिखा था, जिसे हम प्रभु भोज की सभा में गाते है।

वहां पर एक झरना है, जो लहू से भरा हुआ है,
इमैनुअल की नसों से बहता हुआ,
जहां पापीयो ने बहाव के नीचे डुबकी लगाया हैं...

46 क्या आपने कभी उसे सुना... उसके साथ क्या घटित हुआ? जब प्रेरणा ने उसे छोड़ दिया उसके बाद, उसने आत्महत्या करने के लिए नदी को ढूंढने की कोशिश की।

47 मैं उस पुराने केन्टकी के घर के आसपास रहा। और स्टीफन फोस्टर ने अमेरिका को उसके सबसे प्रचलित लोक गीतों को दिया। और जब उसने इसे लिखा, प्रेरणा उस पर आई और वह प्रेरणा में एक गीत को लिखा, फिर जब वो उसमें से बाहर आया, उसने शराब को पिया। अत: उसने नौकर को बुलाकर, एक छुरे को लिया और उसने आत्महत्या कर ली।

48 लोग नहीं जानते हैं कि वे लोग जो आत्मिक अय्याम में से होकर जाते है। अब यहां पर, तुम ऐसा महसूस करोगे, जैसे तुम एक पहाड़ को हटा सकते हो, लेकिन जैसे ही वह अभिषेक आप में से नीचे आने दो और आप उस दरवाजे से बाहर निकलना आरंभ करेंगे... यदि वहां कोई आप को पकड़ने के लिए नहीं है तो... देखा? और फिर हो सकता है मुश्किल से ही कुछ घंटों के लिए सोचते है कि आप कहां पर हो। और फिर रात के बाद रात वो आपको उत्तम बनाता है।

49 और छोटी... मैं आपको छोटी सारा और रिबेका के बारे में बताना चाहता हूं। जो अगली सुबह को, मैं सो नहीं पाया और मैं उठ गया और एक कुर्सी में बैठा हुआ था, और कुछ समय के बाद बैकी, जो बड़ी लड़की है, उसके—के पैर सारा से लंबे थे और तो बैकी दौड़ कर आने लगी... उठ कर और बिस्तर से नीचे कूदी और उसने अपनी छोटी बहन को नहीं जगाया और यहाँ वो घर में होते हुए आती है, जितना वो तेजी से दौड़ सकती है वो दौड़ी। और वो कह रही थी, "डैडी, डैडी... " और मैंने वहां अपने एक पैर को अटका दिया और और वो उसके ऊपर से कूद पड़ी, उसने बहुत ही अच्छी तरह से संभाला। एक प्रकार की यह आधुनिक कलीसिया है, आप जानते हैं यह खेल एक बहुत समय से चलता आ रहा है, आप जानते हैं सैकड़ों वर्षो से। वो अपने आप को सही तरीके से संभाल सकती है और उसने अपने बाँहों को मेरे चारों ओर डालकर और कहा, "ओ मेरे डैडी, ओ मेरे डैडी... "

50 और छोटी सारा शोरगुल से जाग उठी। तो, मैं नहीं जानता आपके बच्चे ऐसा करते हैं की नही करते; लेकिन मेरे बच्चे करते हैं: छोटी वाली मेरे हाथों को ऊपर–नीचे करती है। और सारा बैकी के पजामें को पकड़ने लगती है, और उसके पाँव लगभग बहुत ही लम्बे है, आप जानते हैं। और वह यहां पर आती है, वह छोटी सी, नाटी लड़की, गिरती हुई, लड़खड़ाती हुई। और वह वहां पर थोड़ा देरी से पहुँचती है। तो बैकी पीछे मुड़कर और कहती है, "सारा, मेरी बहन, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहती हूँ।" उसने कहा, "मैं यहाँ पहले पहुंची हूँ। और मेरे पास एकाधिकार है, तो डैडी पूरी तरह से मेरे है, तुम्हारे लिए कुछ नही बचा है।"

51 इसी तरह से कुछ लोग धर्म के बारे में सोचने की कोशिश करते हैं, क्या ऐसा नहीं है? हूँ–हूँ। यह सही है।

52 वह बेचारी छोटी सारा, वह अपने छोटे होठों को बाहर निकालकर, और अपनी छोटी काली आंखो को ऊपर करके मुझे देखा, और उसने रोना आरंभ किया। और बैकी अपने गालो को मेरी ओर बढ़ाकर मुझे गले मिलने लगी। मैं उससे प्रेम करता हूं। और सारा चलकर दूर जाने लगी, क्योंकि डैडी पूरी तरह से बैकी के पास थे। और मैं अपने घुटनों को *इस* तरह से तेजी से आगे करके और उसकी ओर *इस* तरह से अपनी ओर संकेत किया। और वह जल्दी से खड़ी हो गयी और दौड़ कर, मेरे घुटनों के ऊपर कुद पड़ी तो... वो बहुत समय तक वहां नहीं थी और हाँ तक उसके पांव भी जमीन पर नही पहुँच पा रहे थे। वह एक तरह से थोडा डगमगाने लगी (शायद, जैसे मैं, कुछ थोडा सा डगमगाता हूँ, आप जानते है) और वो... जमीन पर नहीं पहुँच पा रही रही थी। वह एक बड़ी संस्था नहीं है, आप जानते हैं और वो ठोस जमीन पर नहीं खड़ी हो पाती है। वह ज्यादा देर तक नहीं खड़ी हो सकती थी।

53 और इसलिए, वो एक प्रकार से डगमगा रही थी और मैंने अपने बाहों को उसके चारों ओर *इस* तरह से रख कर उसे अपने नज़दीक किया और उसने अपनी छोटी काली आंखों को झपकाया और वापस रिबेका की ओर देखा। उसने कहा, "रिबेका, मेरी बहन," उसने—उसने कहा, "हो सकता है, कि सच्चाई है, डैडी पूरी तरह से तुम्हारे हैं, लेकिन मैं चाहती हूँ कि तुम एक बात को जान लो, मैं पूरी तरह से डैडी की हूँ।" तो...

54 यही है... उन्होंने पूरी तरह से मुझे ले लिया है। मेरे पास शायद शिक्षा नहीं है, जिससे उन बड़ी चीजों को वहां पर रख सकूं, लेकिन केवल जहां तक मैं जानता हूं, उन्होंने मुझे पूरी तरह से ले लिया है, मेरे डगमगाने पर, बस उन्होंने अपनी बाहों को मेरे चारों रखा है, इससे बस मुझे अच्छा महसूस होने लगता हैं।

55 तो ठीक है, आइए एक बार और उससे प्रार्थना करेंगे, इससे पहले हम वचन को खोलें।

56 अब, हमारे स्वर्गीय पिता, हम समझते हैं कि हम भी एक बालक के समान ही है। और—और आप हमारे साथ रहना पसंद करते हैं, और हमारे साथ आराधना करना। और जब हम आपकी आराधना करते हैं, और आप हम से प्रेम करते हैं, और हमें अपनी बाहों में पकड़े रहते हैं, और अपनी पवित्र आत्मा नीचे भेजते हैं, और हमें जानने को लगाते हैं कि आप

जीवित है, और आप हमारे पिता हैं, हम आपका बहुत ही धन्यवाद करते हैं। अब, पवित्र आत्मा आज रात हमारे पास आ जाए। हर एक हृदय से प्रेम करे, प्रभु। हमें एक ताजा आशीष देना। हम पर दया के ओस की कुछ बूंदों को उंडेलना, पिता। हमारे पापों की ओर ना देखें। बे बहुत सारे हैं, प्रभु, केवल उन्हें क्षमा करें। उन्हें हटा दें, पिता, और बस हमें आपकी बाहों में ले ले, और—और हमारी बीमारी को चंगाई दे, और—और हमारे प्राणों को साफ करें, और हमारी आत्माओं को आजाद करें, प्रभु, जिससे हम आप की आराधना और स्तुति कर सकते हैं, छोटे बच्चों के नाई भवन के चारों ओर दौड़े, बस ये जानकर की हमारे डैडी हमारी ओर देख रहे हैं। इसे प्रदान करें, प्रभु।

57 अब कोई मनुष्य वचन का—का अनुवाद नहीं कर सकता है। हम यह जानते हैं। यूहन्ना ने उसके दाहिने हाथ में किताब को देखा, जो सिंहासन पर बैठा था, और कोई भी मनुष्य स्वर्ग में या धरती पर या धरती के नीचे नहीं था, जो इस किताब को ले और इसे खोलने के योग्य न था या इन मोहरों को खोलने के योग्य न था। और वहां पर एक मेमना आता है, जिसे जगत की नीव डालने से पहले घात किया गया था। और वह योग्य था। और उसने किताब को लिया और मोहरों को खोल दिया और किताब को खोल दिया। ओ मेमने, आज रात तू आजा, हमारे लिए किताब को खोल दे, पिता, जैसे हम आप पर रुके हुए हैं, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में जो परमेश्वर का मेमना है, मांगते हैं। आमीन।

58 मैंने आज रात, एक वचन के छोटे पद को चुना है, इन तीन वचनों में से। लेकिन मैं पहले संत यूहन्ना से एक पद को और को या दो पद को पढ़ना चाहूंगा, 11 वा अध्याय 23 वे पद से आरंभ करता हूँ।

यीशु ने उस से कहा, तेरा भाई जी उठेगा।

मारथा ने उस से कहा, मैं जानती हूं... कि अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह जी उठेगा।

यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान... और जीवन मैं ही हूं, जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।

और जो कोई जीवता है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा, क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?

उस ने उस से कहा, हां, हे प्रभु, मैं विश्वास कर चुकी हूं, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था, वह तू ही है।

59 और विषय के लिए मैं इन शब्दों को लेना चाहता हूं: *क्या तू इसे विश्वास करता है?*

60 मैंने कुछ समय पहले एक कहानी को पढा था, मैं सोचता हूं यह एक काल्पनिक कहानी है, और उन ज्यादातर सेवको ने, मैं सोचता हूं, पढ़ा है, आपने डॉक्टर इनग्राहम की—की किताब को पढ़ा है, *दाऊद के घर का राजकुमार* । यह एक महान किताब है। यह—यह मैं सोचता हूं पूरी तरह से छपी हुई है। मैं इसे छपवाना चाहता था, जिससे मैं लोगों के बीच में रख सकूँ।

61 और इसमें मैं एक छोटे से लेख को पढ़ रहा था, जो लाजरस और यीशु पर था और मरियम और मार्था पर, जो की लाजरस की बहने थी। और मैं इस में पढ़ रहा था कि यीशु कहाँ पर रह रहा था, मैं विश्वास करता हूं, मार्था और मरियम के साथ। वे दोनों बहुत ही अच्छी इब्रानी लड़कियां थी। और लाजरस सीख रहा था या मंदिर में मुंशी का प्रशिक्षण कर रहा था याजक के लिए, नियम की पत्रियो को बना रहा था।

62 और यीशु के पास महान संगती थी, विशेषकर लाजरस के साथ। जब हम किताब में पढ़ते हैं कि वह कहाँ पर उनके घर आया और मार्था, उसके वचन को समझने के बारे में थोडा विलंब करती थी, लेकिन उसे रात्रि का भोजन तैयार करना होता था, और मेज को लगाना, लेकिन मरियम उसके पैरो पर बैठी रहती थी। और यीशु ने कहा, कि मरियम ने सबसे उत्तम बातो को चुना है।

63 और फिर, हमें बताया गया था कि लाजरस ही वो एक था जो यीशु को यूहन्ना के पास लाया, डॉक्टर इनग्राहम के कहानी की किताब... *दाऊद के घर का राजकुमार* पर। परन्तु, ये हो सकता है सच्चाई ना हो, मैं नहीं जानता, लेकिन केवल इसकी पुष्ठभूमि के लिए, लेकिन वो उनके साथ रहना चाहिए था।

64 अब हम सीखते आ रहे हैं, पिछले सप्ताह के अंदर, मेरा मतलब है, यीशु ने संत यूहन्ना, 5:19 में कहा, "मैं... पुत्र अपने आप में कुछ नहीं कर सकता है, केवल वो जो पिता हुए देखता है; क्योंकि जिन कामों वो करता है उन्हें पुत्र भी उसी रीति से करता है।" देखा? "जो कुछ वह पिता को करते हुए देखता है।"

65 इसलिए इस कहानी को सचमुच वास्तविक बनाने के लिए, पिता, परमेश्वर को उसके पुत्र से बात करना ही है, यीशु, और कहा, "तेरा मित्र, लाजरस, वो मरने जा रहा है, लेकिन यह भलाई के लिए होगा, इसलिए तू घर को छोड़ दे। दूर चला जा, क्योंकि तुमसे कहा जाएगा कि तुम उसके लिए प्रार्थना करो या उसे चंगा करो, और मैं नहीं चाहता कि तुम ऐसा करो।" यदि आप कहानी को देखते हैं, जब हम उसके साथ बढ़ते हैं, आप देखेंगे इसमें बहुत सारी सच्चाई है। इसलिए यीशु ने किसी को बिना बताये या बिना कहे, वह घर से दूर चला गया और कहीं तो और चला गया, उस रात को वह वापस नहीं आया। और वो किसी दूसरे शहरों में चला गया। और जैसे ही यीशु घर छोड़कर चला गया, तब वहां पर परेशानी आ गई।

66 और जब, यीशु आपके घर को छोड़ देता है, परेशानी उसके मार्ग पर होती है। केवल ध्यान रखना, जब वह आपके घर को छोड़ता है, परेशानी रास्ते पर होती है। जब आप उन सामाजिक कार्यकर्ता को, अपनी कलीसिया को इसी ठीक तरह से चलाने देते हैं, जैसे कोई बड़े सोलह आधुनिक सिलेंडर रिक्कइनबक्कर है, और आप यीशु को यहाँ से बाहर कर देते हैं, जब यीशु आपके कलीसिया से निकल जाता है, परेशानी मार्ग पर होती है। जी हां, श्रीमान, जब यीशु एक संस्था को छोड़ देता है, जो उसे एक तरफ रख देते है, और कहते हैं, "तो ठीक है, अब हम बस यह विश्वास नहीं करते कि ये बातें बिल्कुल पूरी तरह से सही हो सकती है।" और आप किसी और बात को धारण करते है, तो परेशानी रास्ते पर होती है। केवल यह याद रखना।

67 मुझे प्रभु यीशु की वो कहानी याद आती है, जो लुका के किताब में पाई जाती है। आप जानते हैं, जब वह केवल एक लगभग बारह वर्ष का लड़का ही था, उसके लोगों ने उसे लिया, जब हर वर्ष की प्रथा होती थी, पेंटीकोस्ट के पर्व के लिए। और जिस समय वे पर्व पर येरुशलम के शहर में थे, और एक उनके पास अच्छा समय था, हम बाइबल में देखते है, वे

उसके बिना तीन दिन जाते रहे। और यही उन्होंने सोचा, हो सकता है, स्वीकृति के लिए केवल उसे ले ले, यीशु अवश्य ही उसके कुछ कुटुंबियों के बीच में होगा। अब हम यह नहीं कर सकते हैं। जब वे उनके कुटुंबियों के पास उसे ढूढने के लिए गये, वह वहां पर नहीं था।

68 और हम इसे स्वकृति के लिए नहीं ले सकते हैं, क्योंकि हम तो मैथोडिस्ट है, बैप्टिस्ट हैं, प्रेस्बिटेरियन है, पेंटीकास्ट है, और जो भी हमारी बुनियाद है, और हमारे पूर्व पिता जो महान विश्वासी थे, हम ऐसे ही इसे लेते हैं, तो, स्वकृति के लिए, कि यीशु हमारे साथ है। हम इसे नहीं कर सकते हैं। हमें उसके साथ हर दिन और हर मिनट पर संपर्क रखना है। ओह, मैं इसे प्रेम करता हूं।

69 मैं उस बात को चाहता हूँ, जो ठीक अब परमेश्वर है। मेरे जो माता–पिता थे, जो मेरे पूर्व पिता थे, वह अच्छी बात है। लेकिन जो उनके पास था, वह अच्छी बात है। मैं सोचता हूं, हम आगे उस मार्ग पर हैं।

70 आइए देखें, वो आज क्या है। मैं पीछे नहीं देखना चाहता हूं और ये देखूं कि श्रीमान मुड़ी ने क्या किया, क्योंकि हम श्रीमान मूडी से आगे मार्ग पर है। आज परेशनी हमारी कलीसिया के साथ है, हम पीछे देखकर और कहते हैं, "तो ठीक है, आइए देखें श्रीमान जॉन वेसली ने क्या कहा, किसी और ने क्या कहा।" यही वो कारण है कि विज्ञान अपने कार्य में बहुत आगे है, जो धर्म अपने आप में है, उससे विज्ञान आगे है।

71 यहां तीन सौ वर्ष पहले, एक फ्रांस के वैज्ञानिक ने साबित किया कि यदि आप बहुत तेज गति पैतीस मील प्रति घंटा की रफ्तार से जाते है, चुंबकीय शक्ति आपको धरती से छोड़ देती है। आप सोचते हैं, विज्ञान आज के बारे में वापस क्या बताता है? वे आज उन्नीस सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से जा रहे हैं, और अब भी और आगे बढ़ रहे हैं। वे आगे की ओर बढ़ रहे हैं, आगे की ओर देख रहे हैं। लेकिन हम पीछे देखना चाहते हैं, और देखना चाहते हैं मूडी ने क्या कहा; सेनकी ने क्या कहा; फिन्नी ने क्या कहा; नॉक्स, कैल्विन; और जो कोई भी वे है। जो कुछ उन्होंने कहा, वह ठीक है। वो उनके अपने युग के लिए था, लेकिन हम आगे बढ़ रहे हैं।

72 मेरे दादा ने बेलगाड़ी को चलाया। मैं फोर्ड वी.8 कार को चलाता हूं। मेरा बेटा हवाई जहाज को उडायेगा। यही है वो, हम आगे बढ़ रहे हैं। यही है जो धर्म को होना चाहिए था। प्रभु का आगमन नजदीक है। कलीसिया को

उसके सामर्थ के अंदर आगे बढ़ना चाहिए। विज्ञान केवल कुछ दूरी तक ही जा सकता है, और फिर वह नीचे आ जाता है, लेकिन हमारे पास अप्रयुक्त साधन है, जिसे कभी भी छुआ नहीं गया और वो परमेश्वर की सामर्थ है, जो असीमित है, यही है जिसके अंदर हमें आगे बढ़ना चाहिए। हम आज रात लाखों लाख हमारे सौभाग्य के अंदर जी रहे हैं, उस मसीहत का सौभाग्य का आनंद लेने के लिए। मैं अपने आप में शर्मिंदा महसूस करता हूं, जब मैं यहां पर देखता हूं और देखता हूँ समाज को और बीमारियों को और परेशानियों को, जो ठीक अभी हो रही है। हमारी कलीसिया को उस मार्ग पर होना चाहिए, कि बीमारों को चंगा करे, मुर्दों को जिलाये, दुष्टात्मा को निकाले, चिन्ह और अद्भुत कार्य को करे, सारे संसार को जानने को लगाये कि यीशु मसीह जीवित है। यही है, जो आज हमें करने की आवश्यकता है।

73 क्यों, आप कहते हैं, "श्रीमान मूडी ने कभी भी... " श्रीमान मूडी इस दिन में नहीं रह रहे है। यह सही बात है। हम प्रभु के आगमन में रह रहे हैं। और हमने केवल उसे स्वीकृति के लिए लिया है, कि वो हमारे कुटुंबियों के साथ था। लेकिन एक दिन जब एक चुनौती देने वाले ने श्रीमान ग्राहम को चुनौती दी, हमने पाया कि वह हमारे कुटुंबियों के साथ नहीं था।

74 वह उसे कहां पर पाएंगे? यीशु को उन्होंने कहाँ—कहाँ पाया? वहीं पर जहां उन्होंने उसे छोड़ा था। उन्होंने उसे कहां पर छोड़ा था? पेंटीकोस्ट के पर्व पर। हमने यीशु को कहां पर छोड़ा, कलीसिया ने कहाँ छोड़ा? पेंटीकोस्ट के पर्व पर। जब हम उस पुराने समय के पेंटीकोस्ट की सामर्थ से दूर चले जाते है और उस पेंटीकोस्ट के पर्व से, हम यीशु से दूर चले जाते है। यह बिल्कुल सही है, मित्रो। हम हमारे सौभाग्य के नीचे जी रहे हैं। जी हां, श्रीमान।

75 उन्होंने उसे पेंटीकोस्ट के पर्व पर छोड़ दिया, और यही केवल वो स्थान है, जहाँ बैप्टिस्ट, प्रेस्बिटेरियन और पेंटीकोस्टल उसे पायेगे, वहां पर वापस जाना है जहां पर आपने उसे छोड़ दिया था। प्रभु का आनंद कहां पर है? प्रभु की सामर्थ कहां पर है? आज कलीसिया पूछती है, "इतिहास के परमेश्वर का क्या—क्या हुआ? " वो उसके लोगों के लिए रुका हुआ है, कि उसे दृश्य पर बुलाये। लेकिन...

76 हम इसे संस्थाओं के जरिए से नहीं कर सकते हैं। हम मनोविज्ञान के जरिए से इसे नहीं कर सकते है। हम अंकगणित के नीचे नही कर सकते

है, या हम शिक्षा के जरिए से नहीं कर सकते हैं। हम अपने आप को अलग करते है, खुद को विभाजित करते है। हम बटे हुए नहीं हैं। हम वास्तव में यीशु मसीह में एक व्यक्ति हैं। हम सब मसीह में एक हैं, और हमारी संस्थाएं कभी भी इसे नहीं करती है। वे जितने भी अच्छे हो, वह इसे नहीं करेंगे। हमारी शिक्षा अब तक की सबसे अधिक सुसमाचार की रुकावट रही है, वो शिक्षा है।

77 हमारी आवश्यकता शिक्षा नहीं है। हमें सामर्थ और पवित्र आत्मा के प्रमाण की आवश्यकता है, कलीसिया में वापस लाते हुए ताकि सामर्थ का प्रमाण दें। यीशु ने कभी भी नही कहा, "संसार में जाकर और—और शिक्षा दो।" उसने कभी भी नही कहा, "सारे संसार में जाकर और इसे करो... " उसने कहा, "जाओ सारे संसार में सुसमाचार को प्रचार करो।" और सुसमाचार पवित्र आत्मा की सामर्थ का प्रमाण है, पुनरुत्थान का। हम अब भी लाखो लाख उससे पीछे हैं, जहां हमें होना चाहिए था। आइए हम आगे बढ़े। आइये वापस वहां पर जाए, जहां पर हमने उसे छोड़ा था, पेंटीकोस्ट के पर्व पर।

78 यीशु ने यूहन्ना में कहा, मैं सोचता हूं, 15 वे अध्याय में, उसने कहा, मैं दाखलता हूं; तुम डालियाँ हो। तो, अब, यदि दाखलता पहली डाली को लाती है, और उस डाली में प्ररितो के काम की किताब को लिखा गया, तो दूसरी डाली प्रेरितों की एक और किताब को लायेगी। और तीसरी डाली एक और प्रेरितों की किताब को लायेगी। और हर एक डाली जो दाखलता में से बाहर आती है, वो बिल्कुल वही डाली होगी, जो पहली डाली थी।

79 अब आप इसमें कलम कर सकते हैं, हम यह जानते है। मैंने एक चकोतरे का पेड़ देखा है, जो लगभग विभिन्न प्रकार के फल उस पेड़ में लगे थे। मैंने संतरे के पेड़ को देखा है, उसमें अंगूर को लगाये हुए, नींबू को और हर चीज को इसमें देखा है, लेकिन वह इसमें कलम किये गए हैं।

80 यही मामला आज लोगों के साथ है। हमने हमारे विचार को इसमें कलम किया है, हमारे संस्थाओं में इसे कलम किया है, लेकिन यदि वो पेड़ अपने आप में कभी किसी और दाखलता को लाता है, ये उस मूल के जैसी होगी, जो इसके अन्दर चला गया था। हाल्लेलुया! ओह, कलीसिया एक साथ मिश्रित हो जाएगी, लेकिन हमें उस मूल के सामर्थ की आवश्यकता

है। हमें पवित्र आत्मा की आवश्यकता है, यीशु मसीह के पुनरुत्थान की आवश्यकता है। यही है, जो उसने हमसे करने के लिए कहा है।

81 "मैं दाखलता हूं, तुम डालियां हो।" यही एक अंगूर की दाखलता आगे एक अंकुर को लाती है, और यहाँ सुन्दर नीले अंगूरों को लेकर आती है और अगली दाखलता इस पर नीले अंगूरों को ही लेकर आएगी। यदि पहली डाली बाहर आती है, और वे पवित्र आत्मा के प्रभाव के अन्दर आ गए थे और उन्होंने बड़े चिन्हों और चमत्कारों को किया और एक जगत के लिए उनकी गवाहीयों से मोहरबंद हुए... यहाँ तक की उनमें से बहुत उनकी अपनी गवाहीयों के साथ मोहरबंद हुए, वे उनके लहू के साथ, उन्होंने अपनी गवाही को मोहरबंद किया। वे सुसमाचार को लाने के लिए सब प्रकार के खतरो और हर एक बातों से होकर गुजरे। उन्होंने दुख भोगा; उन्हें पीटा गया था; उन्हें सजा दी गई। "निश्चय ही हम घर पहुँच जायेंगे स्वर्ग पर होंगे, चैन के एक फूलों से बिस्तर पर, जब की दुसरे इनाम को जीतने के लिए लडे थे, और लहूलुहान समुंद से होते हुए तैरे थे? " हम क्या करने की अपेक्षा रखते हैं? "मुझे लड़ना ही होगा यदि मैं राज्य में जाना चाहता हूं तो। मेरी हिम्मत को बढ़ाओ, प्रभु।" निश्चय ही। हमें आवश्यकता है एक...

82 हमें एक नई संप्रदाय की आवश्यकता नहीं है। हमें एक नई कलीसिया की इमारत की आवश्यकता नही है। हमें आज जो आवश्यकता है, वो है एक पुराने समय के घने–जंगल, नीले आकाश, पाप को खत्म करने वाली पेंटीकोस्टल की बेदारी की, जो पेंटीकोस्ट के दिन पर जन्मे थे और कलीसिया के अंदर वापस पवित्र आत्मा की सामर्थ को होना है, ताकि यीशु को दृश्य पर लेकर आए।

83 इतिहास का परमेश्वर हमेशा ही संकट की घड़ी में दृश्य पर आता है। हमें इसकी आवश्यकता है। यही है, जो आज हमारी कलीसिया के साथ मामला है। हम बहुत ही पीछे होते जा रहे हैं। हम संसार के आचरण के अंदर गिरते जा रहे हैं। और धीरे–धीरे, साल–दर–साल, थोडा—थोडा करके मरते जा रहे है और सुख चुके है।

84 यह बहुत ही तुरंत छटाई का समय है। परमेश्वर इसे वापस काट डालेगा, इतना निश्चित है, जैसे की मैं यहाँ पुलपीट पर खड़ा हूं परमेश्वर उसे वापस काटेगा जिससे कि वो फलो को लाये। वह किसी एक दिन इसमें

से संसार के कामों को काट डालेगा। यह बहुत ही शर्म की बात है, जिस तरह से कलीसिया धर्म के नाम के नीचे आगे बढ़ रही है।

85 और हम देखते हैं, जब यीशु चला गया, मृत्यु वहां पर आ गयी। जब यीशु हमारी कलीसिया को छोड़ देता है, पवित्र आत्मा की सामर्थ हमारी कलीसिया को छोड़ देती है, यह सुखना और—और मरना आरंभ होती है। और थोड़ी देर के बाद वहां पर इसमें कुछ भी नहीं होता है। अब जब यीशु चला जाता है, मृत्यु वहां पर आ जाती है। ओह, क्या ही यह एक दुख का समय था।

86 और ध्यान देना, उन्होंने यहाँ–वहां जाना आरंभ किया और और उन्होंने यीशु के लिए बुलवा भेजा, लेकिन वह नहीं आया। उन्होंने उन्हें वापस भेजा और वह नहीं आया, लेकिन वह जान गया, वह क्या करने जा रहा था। वह आज रात जानता है कि वह क्या करने जा रहा है। यह उससे अनजान नही था; वह बिल्कुल जानता है, कि वो क्या करने पर है। वह कुछ लोगों को उठाने जा रहा है, बिल्कुल वैसे ही जैसे मैं यहां पुलपीट पर खड़ा हुआ हूं। वह अन्य जातियों की पीढ़ी में से उसके नाम की खातिर कुछ एक लोगों को खड़ा करेगा। वह इसे करेगा।

87 यही वो यहूदियों का समय है, जो अब ठीक सामने है, और अन्य जातियों का समय खत्म हो रहा है, क्योंकि वे बस बाहर निकल गए हैं। वे मसीह को इंकार कर रहे हैं; वे उनके चिन्हों को इंकार रहे हैं; वे हर एक चीज को इंकार रहे हैं, जिसे भक्ति कहा जाता है, और इसे किसी प्रकार के मनोविज्ञान के जैसे या शैतान की सामर्थ का नाम दे रहे है... वे पवित्र आत्मा की ईशनिंदा कर रहे हैं और खुद को परमेश्वर से दूर मोहर कर रहे हैं। और परमेश्वर कुछ समय के बाद उन छोटे झुंड को लेगा और उन्हें खड़ा करेगा एक सामर्थी कलीसिया के अंदर इसे खड़ा करेगा, और फिर आत्मा को यहूदियों की ओर मोड़ देगा, और अन्य जाति की कलीसिया को घर पर ले लेगा। यह बिल्कुल सही बात है। वो अब तैयारी में है। ओह, कैसे हम अंतिम समय पर हैं, बहुत ही निकट है।

88 यीशु, वह जानता था, और थोड़ी देर के बाद, उसने कहा, "हमारा मित्र, लाजरस सो रहा है।"

89 तो, चेलों ने सोचा, वह थोड़ा विश्राम कर रहा था। उसने कहा, "तो ठीक है, यदि वह सो रहा है, वह बिल्कुल ठीक होगा।"

90 तो, उसने कहा उसके... अपने शब्दों में, इसलिए कि वे इसे समझ जाये, कहा, "वह मरा हुआ है, और आपके कारण मैं आनंदित हूं कि मैं वहां पर नहीं था।" देखा? "आपके कारण मैं आनंदित हूं कि मैं वहां पर नहीं था" क्योंकि वे उससे कहते रहते कि—कि उसे चंगा कर—चंगा कर, लेकिन वह जानता था वो इसे नहीं कर सकता है, क्योंकि अब तक दर्शन... उन चार दिनों के बाद वह जान गया कि पिता ने इसी समय के लिए उसे बताया था। कितना सुंदर है; उसने कब्र पर कहा, "पिता मैं तुझे धन्यवाद देता हूं कि तूने पहले ही सुन लिया है, लेकिन मैं बस इनके लिए कहता हूं जो यहां पर खड़े हैं।" देखा? वह पहले से ही जानता था कि वह क्या करने जा रहा था। उसने कहा, "मैं उसे जगाने जा रहा हूं।"

91 अब, मैं कल्पना कर सकता हूं कि छोटा सा घर पूरी तरह से टुटा हुआ है। वह कमाने वाला चला गया है, दुख की बात है... ओह, यह अनोखा है जब आप एक दुखी घर में जाते हैं, और दुखी हृदय होता है, और तब यीशु वहां पर आ जाता है, क्या ऐसा नहीं है? मैं मार्था को देखकर कल्पना कर सकता हूं, एक सुंदर छोटी महिला, चेहरे पर काले परदे को डाले हुए, वह छोटी मरियम और वे एक दूसरे को पकड़े हुए कह रही थी, "हम क्या करे? हमारे माता और पिता गुजर गए हैं, और हमारा बहुमूल्य भाई... अब हम कलीसिया से निकल गए है, और हम उनसे बहिष्कृत तक किये गए हैं, और बाहर निकल आए हैं ताकि नाजरीन के यीशु के पीछे चले और वह दूर चला गया है। और वो कहीं तो दूर चला गया है, और हमें इस तरह से छोड़ दिया है।"

92 मैं निंदा करने वाले को वहां आकर और कहते हुए सुन सकता हूं, "वो दिव्य चंगाई देने वाला कहां है, जो गलीली का नबी है? देखो, जब सचमुच में उसके कुछ करने का समय आया, वह चला गया है।" यहाँ है वो। देखो, परमेश्वर को ऐसा करना बस पसंद है, केवल उन लोगों के लिए, वे लोग बस दिखाये कि वे क्या है, जी हां, केवल उन्हें परखने के लिए ताकि दिखाये कि वे सचमुच में क्या है। वह उन्हें आशीष को देता है। वह दृश्य पर आकर और अपने आपको दिखाता है, अपने आप को लोगों के लिए परिचय कराता है, केवल ये देखने के लिए लोगो की किस प्रकार की प्रतिक्रिया को होगी, केवल यह देखने के लिए कि वे इसके बारे में क्या करेंगे।

93 अब, हम पर पाते हैं, कुछ एक—एक दिनों के बाद, चार दिनों के

बाद, बेचारा लाजरस मरा हुआ था। उन्होंने उसे गाड दिया था, दूसरा दिन, तीसरा दिन, चौथा दिन... अब, हर एक जन जानता है तीन दिनों के बाद वहां पर सडावट आने लगती है; पहले तो, नाक चेहरे से धस गयी। और तब सडावट आ गयी; खाल के कीड़े उसके शरीर को खाना आरंभ करते हैं। उन्होंने उसे जमीन पर लेटा दिया था, उस खोह के ऊपर एक बड़ी चट्टान को रख दिया, जहां पर उन्होंने उसे रखा था। और हर एक जन थोड़ी देर के बाद, वे जवान लडकियां वहां कब्र के पास घुटने में जाकर और रोने लगती है।

94 और थोड़ी देर के बाद खबर यहाँ–वहां फैलने लगती है, "यीशु आ गया है, हमने उसे शहर के अंदर आते हुए देखा है।" ओह, वह छोटी मार्था, वो ऐसा दिखाई दे रहा था, वो इसके बारे में विलंब से समझती थी, तब उसने साबित किया था, वो किस प्रकार की है। यहां पर वो आती है। तब, वो अपने रास्ते पर निकल पड़ती है, दौड़ते हुए उसे ढूंढने लगती है। मैं उनमें से कुछ लोगों को रास्ते में उसी दौरान आते हुए और ये कहते सुन सकता हूं, "तो ठीक है, मैं सोचता हूं क्या अब तुम संतुष्ट हो, कि तुम्हारा धर्म झूठा था।" उसने उनको अनसुना करके, और आगे बढ़ गई, वह निंदकों को छोड़ते हुए ठीक आगे बढ़ने लगी। वह नीचे चली गई, जब तक उसने उसे देख नहीं लिया, हो सकता है, वो सड़क के किनारे नीचे बैठा हुआ हो।

95 अब, ये ऐसा दिखाई देता है वो जरुर... हो सकता है उसके पास उसे फटकारने का अधिकार था, और—और उसे बुरा–भला कहने का अधिकार था। क्यों, उसने दौड़ कर और ये नहीं कहा, "यहां देखो, यहां देखो, तुम। तुम्हें तो एक नबी होना चाहिए था, एक परमेश्वर का मनुष्य। तुम क्यों नहीं आए, जब हमने तुम्हें बुलाया? क्यों, हम अब, नगर के लिए हंसी का पात्र बन गए है। हम अपनी कलीसिया से बाहर निकल आए हैं ताकि तुम्हारा अनुकरण करें।" ऐसा दिखाई दिया कि जैसे उसके पास एक अधिकार है। लेकिन आप जानते हैं, जैसे मैंने प्रचार किया था, *वो मेमना और पिन्डूक,* यदि हम एक मेमना है, वो पुनःनिर्माण करता है, जो भी उसके पास है। यह बिल्कुल सही बात है। उसके पास और कुछ भी नहीं है केवल ऊन को छोड़कर, तो उसे वही पुनःनिर्माण करना है। और आप हर एक नीति को पुनःनिर्माण करोगे, जो आपके पास परमेश्वर की सेवा करने के लिए है। ये बिल्कुल सही है।

96 मैं स्त्रीयो को देख रहा था, उस बात को लेकर, जिस तरह से वे उन पुराने छोटे कपड़ों को पहने हुए होती है, आप जानते हैं, और उन्होंने कहा, "तो ठीक है, हम—हम अमेरिकन हैं, हम कर सकते हैं, जो हम करना चाहते हैं।"

97 मैंने कहा, "यह बिल्कुल सही बात है, लेकिन यदि आप एक मेमना है तो अपने नीति को पुनःनिर्माण करेंगे।" सिगरेट को पीना और इसी तरह से करते हुए, स्त्रियो का हमेशा ही इस तरह से करना, यह सबसे ख़राब बात है। यह बिल्कुल सही बात है।

98 ज्यादा समय नहीं हुआ, एक महिला ने मुझसे कहा, वो मुझसे बात कर रही थी, कहा, "लेकिन भाई ब्रन्हम, वे किसी और तरह के कपड़ों को नही बनाते हैं।

99 मैंने कहा, "लेकिन वे अब भी कपड़े सिलने की मशीन को बनाते हैं और कपडा और सामग्री बनाते हैं। उनके पास इसके लिए कोई भी बहाना नहीं है।" यह बिल्कुल सही बात है।

100 याद रखना, किसी दिन, हो सकता है आप अपने पति के लिए यहां पर बहुत ही शुद्ध हो, लेकिन आपको व्यभिचार के लिए इसका उत्तर देना होगा, निश्चय ही इसी तरह; "जो कोई भी स्त्री की ओर बुरी दृष्टि से नजर करें, वो उसके साथ अपने ह्रदय में व्यभिचार कर चूका है।"

101 आज पेंटीकोस्टल महिलाओं के साथ क्या मामला है, यही है जो मैं सोच रहा हूं। कैसे आप उन पुरानी रेखा से दूर हट रही हैं। किस तरह से तुम्हारी माताये की हमेशा ही लंबे बालों को रखती थी, और आज वे पेंटीकोस्टल स्त्रियां कर्नियल समारोह के झुंड के जैसे अपने चेहरों पर लीपापोती करती है और अपने बालों को कटवाती हैं, इस तरह के छोटे पुराने कपड़ों को पहनती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे वे... दोपहर को चौराहों पर बाहर जाकर मुंह बनाती है, और जब वे पुरुष वहां से निकलते है, स्त्रियां क्या आप समझ रही हो, आपको पुरुषों के साथ व्यभिचार करने के लिए जवाब देना होगा? तुम अपने आप को उनके सामने उस उद्देश्य के लिए पेश करती हो। यह एक कलीसिया के और लोगों के लिए दुष्ट आत्मा है, और वह इसे नहीं जानते हैं। अंधे है और इसे नहीं जानते हैं। यही सच्चाई है।

102 हो सकता है, आप शायद कहे मुझे एक सुसमाचारक होने के नाते इसे कहने का कोई अधिकार नहीं है। ठीक है तो, मुझे—मुझे पवित्र आत्मा की अगुवाई का अनुकरण करना है; ऐसा ही है, मैं इतना ही कह सकता हूं। आप... यदि मैं आप से न्याय पर मिलूंगा, तब आपका लहू मेरे हाथों पर नहीं होगा। हर एक उस छोटे से स्थान के इंच से दूर हो जाओ, जो शैतान के जैसा दिखता है। उससे दूर रहो। दूर चले जाओ। मैं परवाह नहीं करता हूं, कितने टेलीविजन के सितारे है... आप यहां पर एक टेलीविजन का सितारे नहीं है; आप परमेश्वर की एक कन्या है।

103 एक सुबह मैंने एक पास्टर की कलीसिया में प्रचार किया, एक पुराने समय के गुलाम बारे में, उस समय वे गुलामों को बेचा करते थे। और वह वहां पर अक्सर आकर और उन्हें निलामी के द्वारा खरीदते थे। और वे लोग, वे रोते थे, चिल्लाते थे, उनके जन्मभूमि के कारण; वे अब कभी भी वापस नहीं जा सकते थे। और वे उन्हें कोड़े मारते थे। और वह उन्हें खरीदते थे, वैसे ही जैसे आज आप कोई मोटर–गाड़ी खरीदते है या ये जो कोई भी चीज है, दाम होता था, और वे उन मनुष्य जाति को बेचते थे।

104 और एक दिन वहां एक खरीदार आता है, एक दलाल, एक बड़े... मेरा मतलब बगीचे पर। और उसने कहा, "तुम्हारे पास बेचने के लिए कितने गुलाम है? "

105 कहा, "तो, मेरे पास बेचने के लिए कुछ ही गुलाम है।" वे उन्हें बड़ा करने की कोशिश करते थे। उनके माता–पिता को लेते... यदि एक स्त्री ने उससे विवाह किया था, वो थोड़ी कमजोर स्त्री है, और वो इस बड़े स्वस्थ पुरुष को लेकर और उनसे उत्तपन करते... जैसे घोड़े और जानवर होते हैं। जो कभी भी सही नहीं था। परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया और मनुष्य ने गुलाम बनाए। और यह आरंभ से ही सही नहीं है, कभी नहीं। परमेश्वर का कोई इरादा नहीं है कि एक मनुष्य को गुलाम बनाएं। नही, श्रीमान। और नही... देखो, किस बात में जगह ली थी।

106 फिर इन सबके बीच में, इस व्यक्ति ने कहा, "तो मैं उनमें से कुछ को खरीदना चाहता हूं... " उस ने एक जवान व्यक्ति की ओर ध्यान दिया। उन्होंने उसे कोड़े नहीं मारे थे। और उसकी ठोड़ी ऊपर की ओर थी, सर ऊपर था, बिल्कुल जैसे एक सच्चा सज्जन व्यक्ति होता है, यहां–वहां चल रहा था। और उस दलाल ने कहा, "मैं उसे खरीदना चाहता हूँ।"

107 उसने कहा, "लेकिन यह बिकाऊ नहीं है।"

108 उसने कहा, "तो ठीक है, क्यों? " कहा, "क्या वो मालिक है? "

109 उसने कहा, "नही, यह एक गुलाम है।"

110 "तो ठीक है, " कहा, "क्यों, क्या तुम उसे बाकी लोगों से अच्छा भोजन खिलाते हो? "

111 उसने कहा, "नही वह वहां बरामदे में उन बाकी लोगों के साथ ही खाना खाता है। वो एक गुलाम है।"

112 कहा, "क्या बात है, जो उन बाकी के लोगों से इसे अलग बनाती है।"

113 और मालिक ने कहा, "मैं अपने आप में बहुत समय के लिए अचंभित रहा था। लेकिन एक दिन मैंने जान लिया। वहां उसकी जन्मभूमि पर इसका पिता एक जाति का राजा है। और वो भले ही अपने घर से दूर एक परदेसी है, वह अब भी जानता है कि वो एक राजा का बेटा है, और वह अपने आप में इसी तरह से बर्ताव में करता है।" यदि वो... यदि एक अफ्रीका का रहने वाला जान जाता है कि उसका पिता एक राजा है, और वो यहां पर एक अनजान देश में परदेसी है, जो जान सकता है कि समुद्र के पार वह एक राजा का बेटा है, किस तरह से स्त्रियों और पुरुषों को अपने आप में बर्ताव करना चाहिए, जब आप परमेश्वर के पुत्र और कन्या है? इसकी तरह व्यवहार करो। निश्चय ही। अपना बर्ताव उस तरह से करो; अपने आप को साफ रखो और परमेश्वर के पुत्र कन्या की तरह व्यवहार करो। मत सोचो, कोई भी परिस्थिति होने दो।

114 हम यहां पर हैं। वह छोटी मार्था, दौड़ती हुई बाहर आई। वह ऐसे दिखाई दी, उसके पास बहुत कुछ था, उसके खिलाफ कुछ कहने के लिए, "तुम मेरे भाई के पास क्यों नहीं आए? देखो, हमने तुम्हारे लिए क्या किया है, और तुमने हमें नीचे गिरा दिया है।" तो ठीक है, यदि उस ने यह कहा होता, वो कहानी वही समाप्त नहीं होती है, जिस तरह से उसने किया था। नहीं, श्रीमान इसी तरह से आप परमेश्वर के दैविक दान की ओर पहुंचते है। यदि परमेश्वर एक दान को भेजता है, तुम्हें ठीक तरह से उसके पास पहुंचना है। यदि आप कभी उससे कुछ भी पाने की अपेक्षा करते है, आपको इसके लिए ठीक तरह से उस तक पहुंचना है। और मार्था यह जानती थी। हो सकता है, उसने शुनेमिन स्त्री के बारे में और उसके बच्चे के बारे में पढ़ा होगा...

और यदि शुनेमिन स्त्री जानती थी कि परमेश्वर एल्लियाह में था, कितना और अधिक वो यीशु में था? निश्चय ही वो था।

115 इसलिए, वह सही तरह से वहां पर पहुंची थी। वह दौड़ कर उसके पैरों पर गिर पड़ी। मैं इसे पसंद करता हूं! उसके पैरों पर गिरकर और कहा, "प्रभु... " यही उसका सही शीर्षक है। यही है, जो वो था। वह उसका प्रभु था। "प्रभु, यदि तू यहां पर होता, तो मेरा भाई कभी भी नहीं मरता।"

116 ओह, प्रभु, ओह, मैं कल्पना कर सकता हूं, उसके हृदय को देखते हुए, जब उसने उस सुंदर स्त्री की ओर देखा, उसकी गालों से आंसू नीचे बह रहे थे। कहा, "प्रभु, यदि तू यहां पर होता तो, मेरा भाई नहीं मरता।" देखो, उसने क्या कहा, "लेकिन अब भी प्रभु भले ही वो मरा है, और उसकी खाल के कीड़े उसके देह में रेंग रहे है, अब भी प्रभु, जो कुछ तू परमेश्वर से मांगे, परमेश्वर इसे तुझे दे देगा।"

117 ओह, यही वो रहस्य है। आप हो सकता है कहे, "मैं हर एक अस्पताल से हो कर गुजरा हूं, डॉक्टर कहता है, मैं मरने जा रहा हूं, लेकिन अब भी प्रभु... मैं पूरी तरह से संधिवात रोग से अपाहिज हो गया हूँ, मैं चल नही सकता हूं, लेकिन अब भी प्रभु... "

118 वो छोटा बालक जिसका सर बहुत ही बड़ा था, पिछली रात्रि, चारो तरफ से बड़ा था। वहां आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं। ये पूरी तरह से फैल जाता और उसके सर को फाड़ सकता था और वो मर जाता, "लेकिन अब भी प्रभु... " वो अब भी वही परमेश्वर है। वह अब भी वही प्रभु है। "अब भी प्रभु... " और वो सर्वशक्तिमान परमेश्वर के दाहिने ओर बैठा हुआ है, वो उन बातों पर बिचवाई को कर रहा है, जिसे हम दावा करते है कि उसने हमारे लिए कर दिया है।

119 अब मैं वास्तव में धार्मिक महसूस कर रहा हूं। निश्चय ही करता हूं। भले ही आप मुझे एक पवित्र पाखंडी बुला सकते हैं, इसलिए हो सकता है आपने इसे अच्छी तरह से आरंभ किया होगा और इसी से समाप्त करते हैं।

120 तो, हां श्रीमान, "अब भी, प्रभु, जो कुछ आप परमेश्वर से मांगेंगे, परमेश्वर इसे कर देगा।"

121 "जो कुछ तुम पिता से मेरे नाम से मांगो, मैं इसे कर दूंगा," यीशु ने कहा।

122 "अब भी प्रभु, जो कुछ आप मांगोगे, परमेश्वर इसे आपको दे देगा।" ओह, इसने जरुर उसके महान हृदय को घुमा दिया होगा।

123 उसने कहा, "तेरा भाई फिर से जी उठेगा।"

124 स्त्री ने कहा, "हां प्रभु, वह ज़ीयेगा। वह एक भला लड़का था। वो अंतिम दिनों में सार्वजानिक पुनरुत्थान में जी उठेगा।" उन यहूदीयो ने सार्वजानिक पुनरुत्थान पर विश्वास किया। "वो अंतिम दिनों में पुनरुत्थान में आ जाएगा।"

125 उसकी ओर देखना। उसने अपने छोटे से अंग को एक साथ किया, उसने कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।" ओह, प्रभु वहां इसके पहले एक भी मनुष्य नहीं था जो यह कह पाता। वहां उसके बाद भी एक मनुष्य नहीं होगा, जो इसे कह सकता है। केवल वही एक है, जो इसे कह सकता है, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं," प्रभु यो कहता है। "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए वह फिर से जी उठेगा और जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी न मरेगा। क्या तू इसे विश्वास करती है? "

126 स्त्री ने कहा, "हां प्रभु।" वह जानती थी कुछ तो होना तय है। कुछ तो होना है।

127 जब विश्वास ईमानदार हृदय, परमेश्वर के साथ मिलता है, वे पहिये के दांत के जैसे *इस* तरह से बस एक साथ हो होते हैं। कुछ तो बात को जगह लेना है। मैं आज रात श्रोतागणों के सामने चुनौती देता हूं, यीशु मसीह के नाम में, तुम्हारा विश्वास इस तरह से परमेश्वर के साथ जुड़ने दो, कुछ ही मिनटों में हमारे पास एक और पेंटीकॉस्ट होगा। वहां वो एक ऐसी बेदारी को लेकर आएंगे, इस देश में इतनी पुलिस नही होगी कि उन्हें संभाल सके। यह सही बात है। वहां एक सच्ची बिदारी होगी। "अब भी प्रभु... "

128 "तो प्रभु, हम बात को नही समझ पाये है, हमने यह किया है और वो किया है।" मैं परवाह नहीं करता आप लोगों ने क्या किया है। "अब भी प्रभु... " वो आपके लिए रूका हुआ है कि आप उसे पुकारे। वो... "क्या तू इसे विश्वास करता है? " निश्चय ही, हां श्रीमान। अभी भी, जो कुछ तुम उससे मांगोगे...

129 "आपने उसे कहां पर लेटाया है? " वो अब कब्र की ओर जाता है। वह प्रयाप्त रूप से मनुष्य था, कि वो रोए। वह प्रयाप्त रूप से परमेश्वर था कि वह मुर्दों को जिलाये।

130 यहां कुछ समय पहले, एक स्त्री जो एक तरह के लोगो के झुंड के संबंध रखती है... मैं कभी भी आदत नहीं बनाता हूँ जिससे कि संस्था बन जाये। लेकिन यह स्त्री... वे कभी भी विश्वास नहीं करते कि यीशु देवीक था। उन्होंने कहा, वह तो केवल एक नबी था। अब वो... यदि वह केवल एक नबी था तो हम सब पाप में है। वो या तो परमेश्वर था या तो परमेश्वर से कम नही था, या तो वो संसार का अब तक का सबसे भरमाने वाला था। यह सही बात है। वो एक मनुष्य से बढ़कर था। स्त्री ने कहा, "वो दैविकता नहीं था।"

131 यही है जो बहुत से आज इसमें सामाजिक सुसमाचार है; जो यीशु मसीह को एक नबी बनाने की कोशिश करते हैं। क्यों, वह नबियों का परमेश्वर था। निश्चय ही वह था।

132 स्त्री ने कहा, "मैं इसे तुम्हें तुम्हारी बाइबिल से साबित करूंगी, 'वो केवल एक मनुष्य ही था।'"

133 मैंने कहा, "तुम इसे करो।"

134 और इस स्त्री ने कहा, "जब वह लाजरस की कब्र के पास गया, बाइबिल ने कहा, 'वह रोया।' वह नाशवान था या वह नही रो सकता था।

135 मैंने कहा, "महिला, यह आपका वचन है? " मेरा यहाँ कहने का मतलब यहाँ धर्म विरोधी होना नही है, लेकिन मैं आपको बताऊंगा मैंने उससे क्या कहा।

136 स्त्री ने कहा, "ये ऐसा ही है।"

137 मैंने कहा, "यह कथन उससे बहुत ही कमजोर है कि एक मुर्गे की छाया से बना हुआ शोरबा जो मरते तक भूखा रहा।" मैंने कहा, "तो ठीक है, तुम्हारे—तुम्हारे पास इस पर खड़े रहने के लिए, एक ही बात नही होनी चाहिए।"

138 स्त्री ने कहा, "क्योंकि, वो रोया, यह दिखाता है कि वह मरनहार था।"

139 मैंने कहा, "वो अमरहार और मरनहार दोनों था। वो देह में परमेश्वर था।"

140 उसने कहा, "ओह, यह मूर्खता है।"

141 मैंने कहा, "वो कब्र पर जाकर रो रहा था। यही प्रयाप्त रूप से सच्चाई है, लेकिन जब उसने उसके छोटे अंग को सीधा किया... " बाइबिल ने कहा, "वहां उसकी ओर देखने के लिए कोई ऐसी बात नहीं थी; कोई सुंदरता नही कि उसे हम चाहते।" लेकिन जब उसने अपने उन कंधों को पीछे करके और कहा, "लाजरस, बाहर आ," और एक मनुष्य जो चार दिनों से मरा हुआ था और कब्र में सड़ गया था, वो बाहर आ गया। वो एक मनुष्य से बढ़कर था, मुझे एक मनुष्य दिखाओ, जो इसे कर सकता है? यह क्या था? सडावट उसके गुरु को जानती है। जीवन उसके रचनाकार को जान गयी। कुछ तो घटित होना था, उसने बोला और मनुष्य जो मरा हुआ था और चार दिनों से कब्र में था, फिर से उठ खड़ा हुआ, और वापस अपने पैरों पर खड़ा हो गया, और जीवित हो गया। हाल्लेलुय्या! उसके पुत्र में वो परमेश्वर था। हां, श्रीमान। वो परमेश्वर था जो अपने आप को उसके पुत्र में से होकर बता रहा था। वो परमेश्वर बोल रहा था, ना की एक मनुष्य।

142 वह एक मनुष्य था, जब उसने उस दिन यहाँ–वहां पेड़ की ओर देखा, कुछ तो खाने के लिए। वो एक मनुष्य था। लेकिन जब उसने पांच रोटी और दो मछलियों को लेकर पांच हज़ार लोगों को खिलाया, यह एक मनुष्य से बढ़कर था। यह वो परमेश्वर था, वहां पर उन्हें खिला रहा था। वो एक नबी से बढ़कर था, एक मनुष्य से बढ़कर था, वह एक परमेश्वर–मनुष्य था। निश्चय ही।

143 वह उस रात नाव पर पीछे लेटा हुआ था, और समुंदर दहाडे और छलांगे लगा रहा था, जैसे वहां पर एक बोतल की डॉट होती है उस विशाल समुंदर में, जब दस हज़ार समुन्द्र के शैतानो ने शपथ ली वो उसे उस रात डूबा देंगे। वो एक मनुष्य था, कमजोर और थका हुआ, बिमारो के लिए प्रार्थना करके, वहां पीछे लेटा हुआ था; और यहाँ तक हवा ने भी उसे परेशान नही किया। वह एक मनुष्य था, जब वो वहां पर नींद ले रहा था, लेकिन जब वो जाग उठा, अपने पैरों को नाव के किनारे पर रखा और ऊपर देखा और कहा, "शांत हो जाओ," और हवाओ और लहरो ने उसकी आज्ञा को माना, वो एक मनुष्य से बढ़कर था। वह मनुष्य में परमेश्वर था, जो अपने आप को बता रहा था। यह सही बात है।

144 वह क्रूस पर एक मनुष्य था, जब उसने दया के लिए पुकारा। जब उसने जोर से चिल्लाया और कहा, "मुझे प्यास लगी है," यह एक मनुष्य था। लेकिन जब वो मरा, वो एक मनुष्य था, लेकिन ईस्टर की सुबह को, जब उसने मृत्यु, नर्क और कब्र की मोहरों को तोडा और फिर से जी उठा, वह एक मनुष्य से बढ़कर था: यह परमेश्वर प्रमाणित हुआ था। कोई आश्चर्य नहीं, कवि ने कहा:

जीते जी उसने मुझसे प्रेम किया; मरते हुए उसने मुझे बचा लिया;
गाडा गया, वो मेरे पापो को दूर उठा गया;
जी उठ कर; उसने मुझे हमेशा के लिए धर्मी करके आजाद किया;
किसी दिन वह आ रहा है—ओह, वो महिमामय दिन होगा!

145 उसने कहा, "क्योंकि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रहोगे, क्या तुम इसे विश्वास करते हो?" वो कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? मैं विश्वास करता हूं, पवित्र आत्मा ठीक अभी यहां पर है। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? मैं विश्वास करता हूं कि वो हमें उसकी उपस्थिति से भर देगा। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? मैं विश्वास करता हूं, पवित्र आत्मा उसकी उपस्थिति को उंडेलना चाहता है, सारे बीमारों को चंगा करना, उन सारे लोगों को तैयार करना, जिन्हें पवित्र आत्मा नहीं मिला है, वे भर दिए जायेंगे, क्या तुम से विश्वास करते हो? क्या तुम अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हो? आइए हम अपने पैरों पर खड़े हो जाए और उसे स्तुति दे। मैं विश्वास करता हूं, वो ठीक अभी हम पर उतर कर आ जाएगा।

146 ओ प्रभु परमेश्वर, धरती और आकाश के सृष्टिकर्ता, अनंत जीवन के लेखक, अच्छे दान को देने वाले, हम "इस पर विश्वास करते हैं," प्रभु। हम विश्वास करते हैं कि यहाँ इन सभाओं में यह आप ही है। हम विश्वास करते हैं कि यह आप ही हैं, जो हमारे प्राणों को आशीषित कर रहे हैं। हम विश्वास करते हैं, यह आप ही हैं जो अपनी आत्मा को हम पर उंड़ेल रहे हैं। हम विश्वास करते हैं कि आप, कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। हम विश्वास करते हैं कि आप युगानुयुग जीवित हैं और हमारे नामो को मेमने

की जीवन की किताब में लिखा है। सारे धरती और आकाश टल जायेंगे, लेकिन हम सदा के लिए जीवित रहेंगे क्योंकि आप सदा के लिए जीवित है, प्रभु, आपने इसकी हमसे प्रतिज्ञा की है। हम इसे अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं। जो कुछ हम में है, इसे विश्वास करते हैं, प्रभु। मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूं।

147 क्या आप उस पर विश्वास करते हैं? मैं विश्वास करता हूं यही वो पवित्र आत्मा है। वहां पर कुछ तो हम पर आ रहा है। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? मैं विश्वास करता हूं, वो हर एक व्यक्ति को ठीक अभी चंगाई देना चाहता है। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? उसकी ओर हाथों को उठायें। अपने पैरों पर खड़े हो जाये। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? वो पवित्र आत्मा यहां पर है। यही है वो! पतरस ने कहा, "यही है वो" यही है वो पवित्र आत्मा।

148 ओ प्रभु, धरती और आकाश के सृष्टिकर्ता, अपनी सामर्थ और अपनी आशीषों और अपनी अच्छाइयों को इन लोगों पर भेजिए, और उनके हृदय को आशीष देना, और वो देखें कि मनुष्य का पुत्र सदा के लिए जीवित है। इसे प्रदान करें, ओ, प्रभु। हम उन्हें आपके आगे रखते हैं, यीशु मसीह के नाम से, जो परमेश्वर का पुत्र है।

149 किसी के पास पवित्र आत्मा नहीं है, अपने हाथो को उठाये और परमेश्वर की स्तुति करें। मैं विश्वास करता हूं, वह आप पर उंडेल देगा। उन पर कोई तो अपने हाथों को रखे। यही वो घड़ी है। हम क्यों ज्यादा देर रुके रहे? यही वो समय है। यह पेंटीकोस्ट का समय है, परमेश्वर के पास वापस आने के लिए। परमेश्वर से अपने संबंध ठीक कर लो, पेंटीकॉस्ट। अपने हृदय को जीवित परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा उत्तेजित करे। उसकी आत्मा तुम्हारे अंदर आकर और तुम्हारे प्राणों को परिपूर्ण करे। वो रात के बाद रात यहां पर है, यहां पर वो बीमारों को चंगा करने के लिए है, अंधो को दृष्टि देने के लिए, महान और सामर्थवान के जरिये से, वो खुद को साबित करेगा, हमेशा एक सा है। हाल्लेलुया!

150 उसकी स्तुति करो। अपने हाथों को उठाये। भूल जाये कि आप कहां पर हैं; केवल जान ले कि आप उसके आसपास ही है, और उसकी अच्छाइयों के और उसकी महिमा के और उसकी सामर्थ और उसकी दया जो हमेशा

के लिए बनी रहती है। वो हमेशा के लिए एक सा है। प्रभु का नाम धन्य हो। हाल्लेलुय्या! ओह, उसके पवित्र नाम की स्तुति हो।

151 ओह, कितना अद्भुत, कितना सामर्थी है वो। कितने लोग अपने जीवन को नए रूप से परमेश्वर को ठीक अभी समर्पित करना चाहते हैं? अपने हाथों को उठाये। कितने लोग अपने जीवन को परमेश्वर को समर्पित करना चाहते हैं? यही है ये। अपने हाथों को उठाये। आइये हम पेंटीकोस्ट को देखें। आईये हम परमेश्वर के लोगों को देखें। मैं अपने हाथों को उठाता हूं, "प्रभु मैं यहां हूं, मुझे भेज।" एक दूत को लेकर, तब उस वेदी से कोयले को उठाकर और अपनी सामर्थ को हम पर भेज, प्रभु। परमेश्वर, इसे अपनी आत्मा की संपूर्णता से प्रदान करें, ओ पिता। हमारी प्रार्थना को सुने, प्रभु। हमारी प्रार्थना को सुने, जब विश्वास करते हुए बालक जो खड़े हुए हैं। उसके नाम की स्तुति हो।

152 ओह, जैसे की महिमा की लहरें गिर रही हो, ओह, दया की ओस की कुछ बूंदें। परमेश्वर की स्तुति हो। होने पाए हमारे प्राण रुके हुए है। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? क्या तुम इसे विश्वास करते हो? यह वो पवित्र आत्मा है, जो आता है। यही है वो जो अदृश्य ताकत है, जो हमें परमेश्वर के राज्य में लेकर जाती है, पेंटीकास्ट की आशीषे। वापस घर आ जाओ। आप वापस घर जाने के इंतजार में है। आप बहुमूल्य लोग हैं। परमेश्वर चाहता है कि आप अपने आप को समर्पित करें, स्त्रिया अपने आप को साफ करे, पुरुष, अपने आप को साफ करे। आईये वापस परमेश्वर से आरंभ करें और परमेश्वर की सेवा साफ़ हृदय से करें।

153 परमेश्वर की स्तुति हो, पवित्र आत्मा सभा में प्रकट हुआ है। बस वही करें, जो आपको करने के लिए अगुवाई महसूस हो रही है। पवित्र आत्मा आप को आप पर संचालित होने दे। वहां कुछ भी नहीं है, जो मैं कह सकता हूं। मैं बस नहीं जानता मुझे अब क्या कहना है। पवित्र आत्मा बस सारी इमारत में है। प्रभु का नाम धन्य हो। प्रभु की स्तुति हो। ओह, हाल्लेलुया! हाल्लेलुया! प्रभु की स्तुति हो। प्रभु की स्तुति हो। कितना अद्भुत, कितना महिमामय... कितना सुंदर, आपके मुख पर परमेश्वर के संतो की स्तुती कितनी अद्भुत है, पवित्र आत्मा की उपस्थिति के ऊपर जो यहां पर मंडरा रही है, और हमें उसकी महिमा को दिखा रही है जो इस बडी संख्या में एक चित होकर, उसके नाम की स्तुति कर रहे हैं।

154 यहाँ–वहां मुड़कर किसी के साथ अपने हाथों को मिलाये और कहे, "प्रभु की स्तुती हो, भाई, प्रभु की स्तुती हो बहन।" आइए ठीक इसमें जाए और परमेश्वर हमें हिलाये। प्रभु की स्तुति हो, यह ठीक है। आप सारे मेथोडिस्ट, और बैप्टिस्ट और प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल, और सेवेंथ दे ऐडवेंटिस्ट है, और जो कोई भी आप हैं, एक दूसरे से प्रभु परमेश्वर की उपस्थिति में अपने हाथों को मिलाये। बस इतना ही। ओह, हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या! मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं उनमें से एक हूं। मैं बहुत ही खुश हूं। ओह, दीवारों को तोड़ते हुए, बेकार की बातों को बाहर फेंकते हुए। महिमा हो! प्रभु में आजादी है, उसके नाम की स्तुती करते हुए... प्रभु का नाम धन्य हो। ओह, हाल्लेलुया! परमेश्वर की स्तुति हो।

155 ओह, मुझे यह देख कर बहुत ही अच्छा लग रहा है; कि लोग एक दूसरे से हाथ मिला रहे हैं और अपने चेहरों पर प्रकाश ला रहे है। परमेश्वर की सामर्थ कह रही है, "ऐसा ही है, ऐसा ही है, हम परमेश्वर की संतान हैं।" हम सब एक बड़ी विशाल कलीसिया है, एक बडा विशाल यीशु मसीह में व्यक्ति, उसकी दुल्हन, उसकी एक महिमामय है। परमेश्वर का आगमन बहुत ही नजदीक आ रहा है। उसके लोग एक साथ आ रहे हैं और अपने आप में प्रेम कर रहे हैं... उसकी उपस्थिति की सामर्थ और प्रेम के साथ। ओह, यह एक स्वर्ग जैसा है। ओह, यह अच्छा है। आमीन। ओह, कितना महिमामय, कितना अद्भुत है : केवल प्रभु की आराधना करते रहना, उसके आत्मा और सामर्थ में। क्या ही समय है। यह रुकाता था... आरंभ ही।

156 वहां पर बस कोई भी नहीं... मैंने भाइयों को बताया, "भाइयों वहां कोई भी रुकने के लिए स्थान नहीं है।" और यहाँ कोई भी स्थान नहीं है कि... हमने कभी भी आरंभ ही नहीं किया, इसलिए हम नहीं रुकते है। बस—बस अद्भुत है... कितने लोग सचमुच में अच्छा महसूस करते हैं? केवल प्रभु की उपस्थिति, ओह, प्रभु, यह अद्भुत है, प्रभु की उपस्थिति यहां पर है।

157 अब प्रभु की उपस्थिति यहां पर है ताकि बीमारो को चंगा करें, लोगों को ठीक करें। केवल उस पर विश्वास करें। क्या आप उस पर विश्वास करते हैं? यदि हम उस पर विश्वास कर सकते हैं, तो सारी बातें संभव है। क्या आप इसे विश्वास करते हैं? क्या आप यह विश्वास करते हैं कि यही प्रभु की उपस्थिति है?

158 अब जब कि आप... मुझे बस थोड़ा समय देना, केवल अब कुछ समय के लिए और केवल कुछ समय के लिए ध्यान से सुनना। मैं आपको साबित करुंगा कि ये पवित्र आत्मा यहां पर है। आपको दिखाऊंगा कि पवित्र आत्मा, वही वो एक है जो बातें कर रहा है, वही वो एक है जो इन चीजों को कर रहा है, जो जानता है। कितने लोग अब यहां पर है, जो यहां पर बीमार आए हैं? मैं आपके हाथों को देखना चाहता हूं। वो एक जो बीमार थे... यही वो लोग हैं...

159 वहां पर एक व्यक्ति खड़ा हुआ है। क्या आप विश्वास करते हैं, श्रीमान? वहां पर कोई प्रार्थना के कार्ड नहीं दिए गए है, लेकिन क्या आप यह विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा कर सकता है? क्या आप विश्वास करते हैं वो आपकी तकलीफ को मुझे बता सकता है? यह आपके ऊपर है। आप वहां पर एक ऑपरेशन के लिए थे। यह सही बात है। आपका नाम श्रीमान कर्टराइट है। यह सही है। क्या यह सही है? अपने हाथों को हिलाए। तो ठीक है। घर जाये और चंगे रहे, आपको इसकी आवश्यकता नहीं है। आप इसे विश्वास करते हैं?

160 वो मनुष्य जो अपने हाथों में बालक को पकड़े हुए हैं, क्या तुम मुझे परमेश्वर का दास करके विश्वास करते हो? क्या तुम इसे विश्वास करते हो यह पवित्र आत्मा होगा? मैं आपको नहीं जानता, क्या यह सही बात है? मैंने अपने जीवन में कभी आपको नहीं देखा है; हम अजनबी हैं? क्या आप विश्वास करते हैं, पवित्र आत्मा आपको बता सकता है कि उस बालक के साथ क्या समस्या है? उसे एक लाल चक्कते की बीमारी है। क्या सही है। क्या यह सही नही है? निश्चय ही। आप यहां से नहीं है। नही। आपको एक पेट की समस्या है, आप अपनी इस समस्या से होकर गुजर रहे है। यह सही है, क्या ऐसा नही है? आप केंसास शहर से हैं। तो ठीक है। वापस जाये, यीशु मसीह आपको चंगाई देता है। हाल्लेलुय्या! आप विश्वास करे। आप इसे अपने पुरे हृदय से विश्वास करते है?

161 यहां पर प्रभु का दूत है, उस टोपी पहनी हुई छोटी—छोटी कद की स्त्री के ऊपर मंडरा रहा है, एक प्रकार की बुजुर्ग, जो ठीक यहां पर बैठी हुई है, वह हर्निया से पीड़ित है। क्या आप परमेश्वर पर विश्वास करती हैं, वो आपको हर्निया से चंगाई देगा, बहन? आप, जो अपनी टोपी में जो लाल गुलाब डाले हुए हैं, अपने हाथों को ऊपर उठाए। तो ठीक है। घर जाये और

स्वस्थ रहे। आमीन। ओह, यही परमेश्वर है; यही परमेश्वर का पुत्र मसीह है। वह मुर्दों में से जी उठा है। वो यहां पर है।

162 अब, आप अपने हाथों को एक दूसरे के ऊपर रखे और आप में से हर एक जन, केवल एक अच्छे प्रार्थना के वक़्त को उसे प्रदान करे, जब मैं किसी को तो यहाँ आने के लिए बुलाता हूँ। यहाँ पर आये, भाई। जब आपने अपने हाथों को एक दूसरे पर रखा हुआ है, यह दिखाने के लिए, यह भी कि परमेश्वर आपको चंगा करता है, यहां मेरे पास एक भाई है, जो प्रार्थना को भी करेंगे। (आगे आ जाये। तो ठीक है) प्रभु परमेश्वर की स्तुती हो।

क्या तू इसे विश्वास करता है? HIN60-0402

(Believest Thou This?)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार, 2 अप्रैल, 1960 को मुंसीपल ओडीटोरियम, टुल्सा ओक्लाहोमा, यु.एस.ए. में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org